टैलेंट की तलाश लाई भोपाल

शहर में संगीतकार व गायक शादाब भारतीय

जस्ट रिपोर्टर

भोपाल। गायन के क्षेत्र में नाम कमाने के लिए अभ्यास बहुत जरूरी है। लगातार रियाज और लय-ताल की समझ ही किसी को पहचान दिलाती है। रियलिटी शो के जरिए जो बच्चे आ रहे हैं वे बहुत



अच्छा गा रहे हैं। उनमें से बहुत कम ऐसे हैं, जो आगे जाकर पहचान बना पा रहे हैं। कुछ ऐसा मानना है संगीतकार व गायक शादाब भारतीय का। इन दिनों शादाब भोपाल आए हुए हैं। मंगलवार को शादाब ने जस्ट भोपाल से की विशेष बातचीत...

बचपन से मिला संगीत का माहौल

शादाब बताते हैं कि उनके पिताजी उस्ताद रोशन जमाल भारतीय ऑल इंडिया रेडियो के 'ए ग्रेड' आर्टिस्ट रहे हैं। बचपन से ही उनकी संगीत में रुचि थी। वे नुसरत फतेह अली खान, उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान, उस्ताद विलायत खान साहब, गुलाम अली, पंडित बृज नारायण, सितारा देवी, अनूप जलोटा जैसे कलाकारों के साथ काम कर चुके हैं।

गायन, वादन और अभिनय

लाइफ इन मुंबई, देख भाई देख जैसी फिल्मों में म्यूजिक देने के बाद जल्द ही लोगों को उनका सूफी एलबम 'बंदगी' सुनने को मिलेगा। शादाब ने बताया उनका एक और एलबम आने वाला है, जिसमें चार गाने हरिहरन जी ने गाए हैं।

काम का मौका दूंगा

शादाब ने कहा कि भोपाल के लोग प्रतिभाशाली हैं। वे इन दिनों अपने कुछ प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। जिसके लिए उन्हें नई आवाज की जरूरत है। अपने इन प्रोजेक्ट्स के लिए वे टैलेंट की तलाश करने झीलों के शहर आए हैं।